तैयारी

इन्वेस्ट यूपी ने विकसित किया मोबाइल एप, डाटाबेस बनाने के लिए कराया गया सर्वे

सात औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के भूखंडों का बनेगा डाटाबेस

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सात औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में उद्योगों का डाटाबेस बनाने के साथ आवंटित भूखंडों की स्थिति का भी इंटीग्रेटेड डाटाबेस तैयार किया जाएगा। भूखंडों के इस्तेमाल की स्थिति का आंकलन करने के लिए एजेंसी को नियुक्त किया जाएगा। मांग की तुलना में सप्लाई के लैंडबैंक संकट से जूझ रहे औद्योगिक विकास विभाग को इससे रियल टाइम वास्तविक तस्वीर मिलेगी। खाली भूखंडों को कैंसिल कर नए निवेशकों को जमीन दी जाएगी। इसकी शुरुआत कर दी गई है।

इन्वेस्ट यूपी ने एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित की है। इसमें उद्योगों का डाटाबेस बनाने के लिए सर्वेक्षण कराया जाएगा। सर्वे रिपोर्ट की निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा। सर्वे के लिए चुनी एजेंसी ऑन-साइट या फील्ड सर्वेक्षण करेंगी और विकसित मोबाइल एप्लिकेशन पर अपेक्षित जानकारी फीड करेंगी। इस कवायद के अंतर्गत सात औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा आवंटित भूखंडों की अधिभोग स्थिति का सर्वे किया जाएगा।

सर्वेक्षण एजेंसी को सर्वेक्षण किए जाने वाले भूखंडों की सूची के लिए संबंधित प्राधिकरण से भूखंड का विवरण लेना होगा। ये ब्योरा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा), ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीएनआईडीए), यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा), यूपी एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा), गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) और सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) का लिया जाएगा।

सर्वेक्षण सटीकता हो, ये सुनिश्चित करने के लिए साइट पर मोबाइल एप्लिकेशन पर जियो टैग की जानकारी देना होगा। प्रत्येक प्लॉट की उपयोगिता स्थिति का आकलन किया जाए, जिसमें यह भी शामिल होगा कि प्लाट में इकाई लगी है या नहीं। इकाई लगी है तो काम कर रही है या नहीं। प्लाट खाली है या नहीं। खाली है तो क्यों खाली है और कबसे खाली है। इसके साथ औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अंदर आवंटित प्लाट पर बंद या निष्क्रिय उद्योगों की पहचान की जाएगी।

पहली बार भूखंडों का इस तरह बनेगा डाटाबेस

भू-निर्देशांक, जिला, औद्योगिक विकास प्राधिकरण, औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर, प्लाट संख्या, प्लाट की फोटो, प्लाट की फोटो का विवरण, क्या आपने यूपी वैश्विक निवेशक सम्मेलन में एमओयू किया है, यदि हाँ, तो उसकी आईडी, प्लाट की स्थिति, प्लाट का आकार (वर्ग मीटर), प्लाट का प्रकार, उद्योग की श्रेणी, संचालन की आरंभ तिथि, आवंटी का नाम, आवंटी का संपर्क नंबर, आवंटी का ईमेल पता, फैक्ट्री का नाम, इकाई के अधिकृत प्रतिनिधि का संपर्क नंबर, इकाई के अधिकृत प्रतिनिधि का ईमेल पता, विद्युत कनेक्शन का प्रकार, जीएसटीआईएन नंबर, फैक्ट्री यूनिट की पंजीकरण संख्या, उद्यम पंजीकरण संख्या, सीआईएन पंजीकरण संख्या, फैक्ट्री/यूनिट का पता, दस्तावेजों की कॉपी, कर्मचारियों की संख्या, बनने वाले उत्पादों का नाम, तारीखवार कुल निवेश आदि।